

बिसातखाना स्त्री. (फा.) 1. विविध प्रकार का फुटकर सामान जो बिसाती की दुकान पर मिलता है 2. बिसाती का वस्तु भंडार।

बिसासी वि. (तद्.) जिस पर विश्वास न किया जा सके, अविश्वस्त, अविश्वसनीय।

बिसाहना पुं. (तद्.) क्रय करना, खरीदना-बेचना, संकट अपने ऊपर जबरदस्ती लेना, शत्रुता लेना (किसी से दुश्मनी ले लेना) आदि।

बिसूरना अ.क्रि. (तद्.) दुखी होकर सोचना, विलखना, शोक मनाना, चिंतित होना, चिंतामग्न होना, फफक-फफककर रोना।

बिस्कुट पुं. (अं.) 1. मैदा/आटा से बनी छोटी चपटी, भट्टी में पकाई गई, मीठी या नमकीन टिकिया के आकार का खाद्यपदार्थ, भारतीय पकवान के सादृश भोज्य टिकिया 2. लकड़ी का छोटा चिपटा टुकड़ा जिससे दो बड़े लकड़ी के टुकड़ों को जोड़ा गया हो। biscuit

बिस्तर पुं. (फा.) बिछाये जाने वाले कपड़े दरी, चादर, गद्दा आदि, बिछावन, आराम या विश्राम करने के लिए बिछौना।

बिस्तरबंद पुं. (फा.) मोटे कपड़े, किरमिच आदि से बना लंबा खोल जिसमें यात्रा आदि के लिए बिस्तर को बाँधा जा सके, बिस्तर बाँधने का एक विशेष प्रकार के चमड़े की डोरी वाला कपड़े का खोल।

बिस्मिल्लाह पुं. (अर.) 1. परमेश्वर का नाम, परमशक्ति का स्मरण कर किसी कार्य का शुभारंभ (किसी कार्य को आरंभ करने में इस शब्द का प्रयोग किया जाता है)।

बिस्वा पुं. (तद्.) वस्तु का बीसवाँ हिस्सा, एक बीघा भूमि का बीसवाँ भाग।

बिहरना अ.क्रि. (तद्.) घूमना-फिरना, विचरण करना, भ्रमण करना, विहार करना (अ.) विदीर्ण होना, नष्ट होना, टूटना।

बिहार पुं. (तत्.) 1. इतस्ततः, भ्रमण करना, विचरण करना, सैर करना, मनोविनोद करना, खेलना 2. वाटिका, उद्यान, पार्क 3. भारत का

एक राज्य बिहार, जिसकी राजधानी पटना (पुराना पाटलिपुत्र है) 4. बौद्धों और जैनों का मठ।

बिहारी पुं. (तत्.) 1. श्री कृष्ण 2. 'बिहारी' नामक रीतिकालीन एक हिंदी कवि का नाम 2. प्रत्येक चरण में 24 मात्राओं वाला सममात्रिक छंद, जिसके 14-8 पर यति होती है स्त्री. बिहार प्रांत में बोली जाने वाली भाषा वि. 1. बिहार राज्य का निवासी 2. बिहार राज्य से संबंधित 3. बिहार राज्य में जन्मा या रहने वाला 4. बिहार करने वाला, मनोविनोद करने वाला।

बी स्त्री. (फा.) मुस्लिमों में महिलाओं के लिए प्रयुक्त होने वाला 'बीबी' शब्द का लघुरूप, संबोधन में प्रायः बड़ी, छोटी आदि विशेषण लगाकर भी इस शब्द का प्रयोग होता है जैसे- बड़ी बी का क्या हाल है? छोटी बी आने वाली हैं, आदि।

बीका वि. (तद्.) वक्र, कुटिल, तिर्यक्।

बीख पुं. (तद्.) 1. पग, कदम, चाल, डग 2. गरल, विष।

बीग पुं. (तद्.) वृक, भेड़िया।

बीघा पुं. (तद्.) भूमि नापने की एक इकाई, बीस विस्वा का माप।

बीच पुं. (तद्.) 1. पथ, वर्त्म, मार्ग, रास्ता। मध्य में 2. अंतर, भेद मुहा. बीच में कूदना- बिना मतलब किसी मामले में हस्तक्षेप करना; बीच में रखकर कहना- किसी को साक्षी बनाकर कुछ कहना; बीच में पड़ना- मध्यस्थ होना; बीच बाजार में कपड़े उतरवाना- सबके समक्ष शर्मिंदा करना।

बीचि स्त्री. (तत्.) स्रोत, तरंग, लहरी, नदी की धारा।

बीचोंबीच पुं. (तद्.) निश्चित रूप से मध्य में, बिल्कुल बीच में, जैसे- शहर के बीचोबीच अस्पताल है।

बीज पुं. (तद्.) 1. अन्नकण या फल का बीज जिसे मिट्टी/भूमि में बोने पर अंकुर हो सकता है